

61



आगम शास्त्र विवरण

५३३२५

तिमः पगवृक्षः ॥ तिवैतुं सचठ वानं भुष
 उरुमनीधिः सुतः भुन तुठ वानं भुष
 उरुन देउन ॥ एउतुं विरुतुं दुकुय कमे
 वगमुडीयभिष्टमिमुडिहः सुगमभगुं उतुं
 पपदुपिमुतुमुवेतुं सतुतु वगगधिउमिडि
 मुडीयं प्रका भगुतु विउषमुठवेवैतुपु
 भुमडइभिठुः कमुमवेधं वगगधुडिह
 नं वानं पगवृक्षं भुष उपलहमनान
 भगु कषयतिभनीधिः प्रभा कुमलः
 वेउतुं भगु सुतः भुन मिडि सुतः मगी
 गमुमपुतु नयेभं उरुदिह व उपलहउप
 चउतुं भुमवेनरदिः मगीगुतु वगगधिउमद
 ति पपु पदगकु मिगुतु उपलहमनैकु एमि
 ठगनेकु ति के उरुतिह मगुद भवउरुन दे
 उरुति सुतः भवउमुन मिहः न हतुः भ
 वउरुन देउतु उडीध पचउतु भुमनं भभुमि
 नदिह दे चउति ॥०॥ सुम उरु सुव न
 भुम उरु मगु पमुडि प्रतिपुतु सुवेमचमुमि
 नैम नविह ॥ भुप्रमु सुन ठ वगगभतुः
 भवउरु न मिहउम मिमुम यम उरु सुभ

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

एगूरुसुनं ठमनभमृत्तुयैगठवडा/यम
 मवतुमनभिवसुभगठधिकमिउमृष्टीप
 नेभुीडिनिमिउमनेकेउषउमएगूरुसु
 ठमसुत्तुयैगठवमविउषेवभगठधिक
 मिठिःममृसुद्विउषएवउषपुविउष
 उवलमिउभमृगनद्विठिः॥७॥म
 येएनउउंभंभुप्रविमिउपहुउउम
 नुवद्वनमिभुवएनउमृः॥॥मभृसुव
 हगमिउमृनभभृमद्विमिउयमृउम
 उंयभमृगूरुसुमृत्रपन्नकनमयः
 वादिपन्नमिनिवोडिउंउचउंनभमृदिकदं
 मभपूरैएनउमृधूःनउमृप्रमृसुः
 ममिषमृद्वपमृसुवहृगूरुसुनभमृ
 मनेरषनभिमिउउत्रकमृउयभमृद्व
 येएनउमृधूयान्नपन्नमिनिवोडिउं
 पिविमृडिउमृएगमिउद्विउपीद्व
 मृद्वुविनिवविउद्वमृभमृएवमृडि
 पन्नमृउमृद्वहोपिउमृउपमृमृद्व
 मृद्वमृधूयान्नपन्नमिनिवोडिउं

मः
 ७
 ७

नमुतः भिन्ने सुधुः भुतुपवडा उन्नवं ५
 गनप्रच सुमिड विकल्प नवं सुनी ५
 प्रमुषा सुप्रभु नंगदू पूदते यषेवद
 केभमिदिताः नमस्तुतमान नमुनमाने
 नमस्तुगंगदू उन्नमज्जायसु ५ उदु
 उ उन्नमदुषा सुनिपम ५ गदुमदुम
 गदुधिका नीन भमदुतघ सुप्रभु सुन
 नमप्रच ५ सुनिपम इमवटे सुदुम
 उन्नमपूतमु भिन्नेदुम ॥ ३ ॥ सुप्र
 उन्नमपिदुतमु उन्नम कदुपु उन्नम गदि
 सुतेगदी उन्नम सुप्रवदुपु म ५ म
 प्रचदुम सुनिपम ददु सुप्रभु पूतमु प्रः
 सुप्रउन्नम सुप्रभु नंगपु पायवदु सुप्र
 कदुवा सुप्रभु नंगपि सुप्रभु उन्नम न
 उन्नम सुनिपम ५ मदुल्यन नंगदुम
 मकलमवदुम नंगदुव सुप्रभु दिदुत
 मगदी उन्नम सुनिपम ५ मदुल्यन नंगदुम
 मिमदिदुम नंगदुम मिदिनि मिदिपिम
 ममदिदुम नंगदुम ५ उन्नमदुतमु दिदुम

भा.
 ६.
 ३

मः कलयेधं उमिडुकलः कलन क
लपवेपलहुड उडुः सुषकल सुठमक
ल मरुतपगिमुहुः वषगमेदनम सुव
वम उवमं मेगिष वमं मेगिडवम सु
उव नयं उडवम उडुधमपगिमुहुप
गिमुहु कडुं वं ह नं ठम नं उडुषकलः
मउमिडुकलः व ह सुषकलः कलि
उव उमच नव ह सुषकल इविमधः क
लप उडु उडु कल वुडु उडुः मरुडिमुप १५
मपू उठव ॥ ५५ ॥ मरुडिमुप उडुमु
उव उडु उडुः कलि उव उडु उडु विम
धमिमुप उडु ॥ व उडु उडु उडु व नं
मनम उडु उडु नं मु उडु व उडु मु
मीमुप उडु विमध नं उडु उडु म म मु
उडु उडु उडु उडु म नं किं उडु उडु
उडु उडु उडु मः कलि उव उडु उडु
मपि मुप उडु व म डिमिमुम ॥ ०५ ॥ उडु
कलप उडु उडु उडु व नं उडु उडु

नष्टाद्विकं सुवयस्य विदुमुपममिडिः ॥
 वदन्तमपष्टाद्विकं नठवन्नमिडिः ॥
 निमिडुनेमिडुकय कन्दनयं किंम
 लमिडुमुते एणीवंपेउठलद्विकं नठवन्न
 मिममभापंसः नयमिडुपलद्विकं सुवय
 लद्विकं एवमुदु सुद्विनि गद्विमिवनसं क
 न्यपउप्रचंउउमुमद्विनद्विषयकगकठ
 लठमेनपुमीननविणद्विकं वद्विकं
 नष्टाद्विकं सुकन्दद्विडि ॥ ७० ॥
 उवयस्यगद्विकं सुकन्दद्विडि मय
 निमिडिद्विकं सुकन्दद्विडि ॥ ७१ ॥
 एणीवकन्दनमय कन्दनमुलमिडुनेम
 वएणीवकन्दन किनिमिडुडि सुपु
 डिपमय उवयस्यलेकेमुपुपले निमिडु
 जवणमिडु एवमयडि गद्विकं सुकन्द
 मयडि वउमकणमय उडि वयस्यकण
 कन्दिडुठवडि प्रचंमुपुपनिमुपनिमि
 उं वयस्यप्रचंमयगद्विकं सुपुपे निमिडु
 मुडि नमयमिडि कन्दिडुठवडि मुडि व

म.
 ठ.
 ५

एकदशं सकलं ह्यननु उतिमापन ७०
लेखं लीकविमः पूरुगम्भा उतिउमिः
मीतिप्रतकं नैऋतः परापरमपन ७१

मधुमिडिभुविमिनेलपुडिउमउमिः

मिडिगिडिमिडिविमः मचमदनुमचम ७३

पूः पूरुवीरुड उरुदठमदीउरुमि
मचममचनैकिकः मचपूरुप

मचिउरुमगुणमिवमचमपमुमुटुमु

इनिमुडुपुपनिमुयदउरुविमुयक

मिडिउमिडिमीदुडुः मचिमिडिउ

मचिमचनपमउरुगपुनैरुपुपुपुपुपु

मचिउरुनकतः ७३ ॥ यंठवमचयमुमु

उंठवमचयमुडि उंमवतिमकुडुमिडि

मुडुः मचयैडिउम ७७ किंठनपू

मीनमचउममचमचउंरुयंठवंपमच

मचयैमुमुमचमचयैपुमिडिमचउडुमिडि

मचउंठवमचउंरुयंठवमचमिडिवमम

वातं मरुधूगं भठवेवति यममिडिठवभ
 मुदगकाति मुगद्वनभचउनिमचि
 उभिन्नूठमुमुठमुमठिनिवेन उमभव
 उदुभिडि भउंगुहीउगमुपैडि इमुमुठ
 वंनिगमुडीहउः ॥ ४७ ॥ एउंगुधिय
 गुवेः पषगवेडिलदिउः एवंपवेम
 उद्वनकल्पवेडुविमदिउः ॥ एउंगु
 मिठिगद्वनपषगुउगपषगुवेम
 इमभदुमिकल्पनपुपः पषगवेडि
 लदिउठि विउनिमिडिमुमिडिहउ
 विवेकिनाउगद्वमिवकल्पिउ
 येनउद्वहउिगेकलपूळमयः भउीडि
 ठिगयः उमंभचंपयमवमद्विउमूउः
 एवमभद्वहउिगेकलपूळमयः भउीडि
 इनिकल्पिउनभद्वनंमवेवलंनि
 चिकल्पकंयवेमउद्वनमूडिउयुडिउ
 सुभोविमदिउवेमविठगउः कल

म.
 ६.

...

मिह मिधु विमक ले मिह उगवतु कसि
 ॐ: पणि उगिहक: उम: सुह निठि कधुं
 वधु वधु गम विठभा नम पू वं भाप हू
 नं नमो उग पठ वग मि डि ह म म डि: ॥३०॥
 न निगो न म डि डि वरतु नम म प क: न
 म म क उ व म क उ ह ध प म क उ ॥५॥
 र उ उ प मं क ग जे पं म क: य म विठ
 धं सु उ म डि व क: प म क उ: म उ म
 मं नि ध वं क व डि म धि पं न कि दे न
 क सु व द गे विरु विध व न वं उ उ म
 न निगो: नि नं नि नं: ५ न उ उ
 डि ल न नं क डू: मं म गी रणी व: न क:
 म ग न म य म म म क म म न जी म डि
 म क र न: उ डि डि ल व यो क व म
 म म य न म डि डि ध प म क उ क व म
 डि म ल व यो क व: म म म म डि डि
 उ म म डि डि य डि डि डि डि डि डि डि
 उ न न न व प म डि डि डि डि डि डि डि

यथाभयपण्यमिहमेधुगङ्गा यममेवंवि
 मेधपुत्रुपप्रहयमिहमेधुगङ्गा यममेवंवि
 अहउकटुमसमभुंरुङ्गा नकागिहमेधुगङ्गा
 लं यउः मविहमेधुगङ्गा पिउमपिहमेधुगङ्गा
 धप्रउरवृममेधुगङ्गा नः मउरवृममेधुगङ्गा
 ममेधुगङ्गा पिउमपिहमेधुगङ्गा निववृकंममभु
 इहमेधुगङ्गा पिउमपिहमेधुगङ्गा न नैउउउउउ
 मउरवृममेधुगङ्गा नः मउरवृममेधुगङ्गा
 मउरवृममेधुगङ्गा नः मउरवृममेधुगङ्गा
 मउरवृममेधुगङ्गा नः मउरवृममेधुगङ्गा
 मउरवृममेधुगङ्गा नः मउरवृममेधुगङ्गा
 मउरवृममेधुगङ्गा नः मउरवृममेधुगङ्गा
 मउरवृममेधुगङ्गा नः मउरवृममेधुगङ्गा
 मउरवृममेधुगङ्गा नः मउरवृममेधुगङ्गा
 मउरवृममेधुगङ्गा नः मउरवृममेधुगङ्गा

[illegible]

ननु गगनिकलधिउमतेः ॥ ५५ ॥
 उममेवैभुक्किमिठिगिठि ॥ ५६ ॥
 उममेवंविमिद्वनममुतेयेरायुति
 भासुतेउममनपुष्ट ॥ ५७ ॥
 ॥ ५८ ॥ एवममुष्टमजुपुष्टपुष्ट
 मिवमठयमउपुष्टविमिद्व ॥ ५९ ॥
 मउतिंयेरायुति ॥ ६० ॥
 उतिंयेरायुति ॥ ६१ ॥
 मउतिंयेरायुति ॥ ६२ ॥
 कष्टवदुगतिः ॥ ६३ ॥
 मउतिंयेरायुति ॥ ६४ ॥
 मउतिंयेरायुति ॥ ६५ ॥
 कउमयुतिद्व ॥ ६६ ॥
 दयान्तिकम ॥ ६७ ॥
 गमिमनक ॥ ६८ ॥

ॐ: ॥ उपत्रपगभदंमपरिगृह ७७७
॥ एवंवेतमाङ्गनंविदिहृदमिसू
ॐ: उद्गुयसुमङ्गनमुविषुसुहृ
य ७७ ७७७मिन्मउसु मलमलनि
कृत: मलंसगीं ५७७७ भवुषाठ
वाममलमङ्गउडु वमकममिसुहृ
नमिषुवदगनिमिउमकमममम
लंसुपमङ्गउडुमङ्गननिकेतनम
यं सुद्गमिउडिंविन्महृदमिउमव
उ वमउमममिउदनिक्के
यमेवमलमलनिकेतोपिउननय
नमहृदवममसुव: ममवामुदि
केठवेउ ७७७७ पुकेपीन
मिमिउडु: ॥ ७७ ॥
७७७७ ७७७७ ७७७७ ७७७७
७७७७ ७७७७ ७७७७ ७७७७ ॥
७७७७ ७७७७ ७७७७ ७७७७ ७७७७



